UPSC Daily Current Affairs 08 Jul 2021

1. हैती

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- AIR)

खबरों में क्यों है?

- हाल में हैती के राष्ट्रपति जोवनेल मोसे की देश की राजधानी पोर्ट अऊ प्रिंस में उनके घर में एक हमले में हत्या कर दी गई।

हैती के बारे में जानकारी

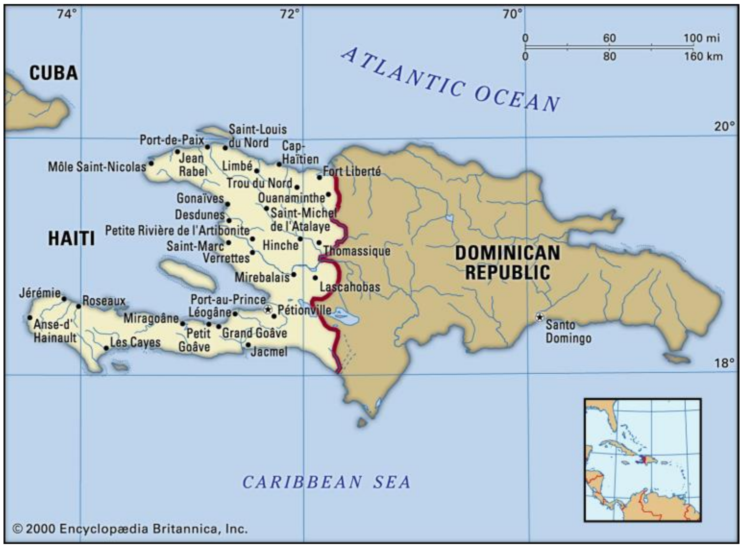

- यह कैरेबियाई सागर में एक देश है जिसमें हिस्पेनिओला के द्वीप का पश्चिमी एक-तिहाई और छोटे द्वीप जैसे गोनावे, टार्चू (टारटूगा), ग्रांडे काये और वाचे शामिल हैं।
- यह हिस्पेनिओला द्वीप (ग्रेटर एंटीलेज़ में दूसरा सबसे बड़ा द्वीप) के पश्चिमी 3/8 भाग को अपने में शामिल करता है जो यह डोमिनिकन गणराज्य के साथ साझा करता है।
- क्यूबा और डोमिनिकन गणराज्य के बाद कैरेबियाई में यह तीसरा सबसे बड़ा देश है।
- इस राजधानी **पोर्ट-अऊ-प्रिंस** है।

2. OPEC का आउटपुट समझौता प्रस्ताव

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

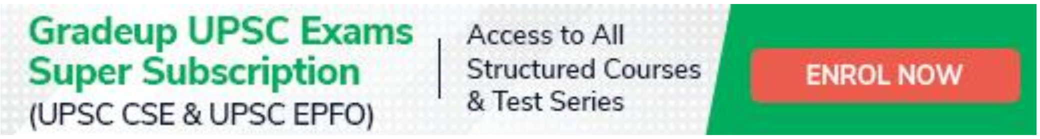

- हाल में, ओपेक प्लस समूह के देश अप्रैल 2020 में दो वर्ष के एक समझौते में शामिल हुए, जो कच्चे तेल के उत्पादन में भारी कटौती के बाद हुआ। इसका उद्देश्य कोविड-19 महामारी के परिणामस्वरूप तेल के दामों में भारी गिरावट से निपटना था।
- ओपेक प्लस तेल निर्यातक देशों के समूह के बीच में नवीनतम बैठक को रोक दिया गया क्योंकि UAE ने उन प्रस्तावों को रखा जिसमें आउटपुट समझौते के विस्तार की शर्त पर कच्चे तेल की आपूर्ति को बढ़ाने की बात कही गई।

पृष्ठभूमि

- ओपेक प्लस समूह के देश अप्रैल 2020 में दो वर्ष के एक समझौते में शामिल हुए, जो कच्चे तेल के उत्पादन में भारी कटौती के बाद हुआ। इसका उद्देश्य कोविड-19 महामारी के परिणामस्वरूप तेल के दामों में भारी गिरावट से निपटना था।
- अप्रैल 2020 में ब्रेंट क्रूड 18 वर्ष के निचले स्तर $20 प्रति बैरल पर पहुँच गया क्योंकि पूरी दुनिया में आर्थिक गतिविधियों ठप हो गई थी जब देश महामारी से निपट रहे थे।

भारत पर प्रभाव

- वर्तमान में भारत पेट्रोल और डीज़ल के रिकॉर्ड ऊंचे मूल्यों से निपट रहा है, जिसमें पेट्रोल के पंप मूल्य 13 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में रू. 100 प्रति ली. से अधिक हो गए हैं।
- भारत जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है, का कहना है कि निर्णय लेने में देरी से कुछ देश में उपभोक्ता संचालित पुनर्बहाली को खतरा हो सकता है।
- भारत अपने कुल कच्चे तेल की 84% जरूरतों की पूर्ति आयात से करता है जिसमें से 60 प्रतिशत मध्य पूर्व के देशों से आता है, जोकि आमतौर पर पश्चिम की अपेक्षा सस्ता होता है।

भारत के लिए राजकोषीय चुनौतियां पैदा कर रहा है

- बढ़ते हुए पेट्रोलियम मूल्य भारत के लिए राजकोषीय चुनौतियां पेश कर रहे हैं, जहां बुरी तरह से करारोपित खुदरा ईंधन मूल्यों ने देश के कुछ हिस्सों में उच्चतम स्तरों को छू लिया है, जिससे मांग संचालित पुनर्बहाली को खतरा पैदा हो गया है।

संबंधित सूचना

OPEC के बारे में जानकारी

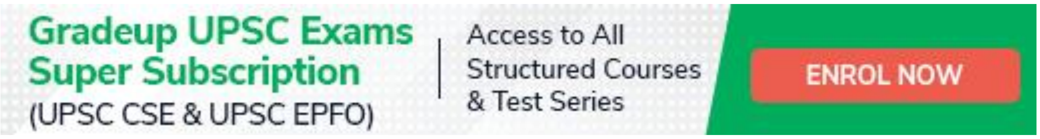

- यह एक स्थाई, अंतरसरकारी संगठन है जिसका मुख्यालय विएना, ऑस्ट्रिया में है।

संस्थापक सदस्य

- पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (OPEC) की स्थापना बगदाद, इराक में पांच देशों ईरान इस्लामी गणराज्य, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला द्वारा सितंबर 1960 में एक समझौते पर हस्ताक्षर द्वारा की गई। वे इस संगठन के संस्थापक सदस्य हैं।
- वर्तमान में **संगठन के 14 सदस्य देश हैं।**

उद्देश्य

- सदस्य देशों के मध्य पेट्रोलियम नीतियों का समन्वय और एकीकरण करना, जिससे पेट्रोलियम उत्पादकों को उचित और स्थिर मूल्य सुनिश्चित हो सकें;
- उपभोक्ता देशों को पेट्रोलियम की सक्षम, किफायती और नियमित आपूर्ति करना; और
- OPEC सदस्यता किसी भी उस देश के लिए खुली है जो कच्चे तेल का बड़ा निर्यातक है और जो संगठन के आदर्शों को साझा करता हो।

OPEC+ के बारे में

- OPEC+ से आशय कच्चे तेल के उत्पादकों के गठबंधन से है, जो 2017 से कच्चे तेल बाजार में आपूर्ति में सुधार कर रहे हैं।
- OPEC प्लस देशों में अज़रबेजान, बहरीन, ब्रुनेई, कज़ाखस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, रूस, दक्षिण सूडान और सूडान शामिल हैं।
- OPEC और गैर-OPEC उत्पादकों ने पहली बार 2016 में अल्जियर्स में हुई ऐतिहासिक बैठक में गठबंधन का निर्माण किया था।
- इसका लक्ष्य उतार-चढ़ाव वाले बाजार में पुनर्जीवन की मदद के लिए उत्पादन सीमाएं तय करना था।

नोट:

- हाल में, संयुक्त राज्य अमेरिका फरवरी 2021 में सऊदी अरब को पीछे छोड़कर भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता बन गया।

3. पेगासस स्पाईवेयर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

deup

- मानवाधिकार संरक्षकों के खिलाफ हमले के दस्तावेजीकरण के लिए हाल में **फोरेंसिक आर्किटेक्चर, एमनेस्टी इंटरनेशनल और सिटीज़न लैब ने स्पाइवेयर पेगासस के प्रयोग पर एक ऑनलाइन डाटाबेस जारी शुरू किया है।**

पेगासस स्पाइवेयर की डिजिटल हिंसा

- इंटेरेक्टिल प्लेटफॉर्म- डिजिटल हिंसाः कैसे NSO समूह राज्य आतंक को सक्षम बनाता है- ने पेगासस स्पाइवेयर की डिजिटल हिंसा और वकीलों, कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के लोगों द्वारा झेली जा रही वास्तविक दुनिया की हानियों के बीच में जुड़ाव को दर्शाया है।

भीमा कोरेगांव मामला

- प्लेटफॉर्म जो digitalviolence.org पर उपलब्ध है, भारत में स्पाइवेयर के लक्ष्यों की सूची बनाता है जिसमें कार्यकर्ता बेला भाटिया और आनंद तेलतुंबडे शामिल हैं।
- 2020 में, एमनेस्टी और सिटीज़न लैब ने खुलासा किया था कि स्पाइवेयर का प्रयोग नौ मानवाधिकार संरक्षकों पर किया गया जो भीमा कोरेगांव मामले में अभियुक्त हैं।

पेगासस स्पाइवेयर के बारे में जानकारी

- यह इज़रायली मूल का स्पाइवेयर है जो व्हाट्सऐप के द्वारा कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के फोनों पर आया।

किसने इसका विकास किया?

- इसका विकास इज़रायली साइबर आर्म्स फर्म, NSO समूह ने किया है।
- NSO समूह एक तेल अवीव आधारित साइबर सुरक्षा कंपनी है जो निगरानी तकनीक में विशेषज्ञता रखती है और इसका दावा है कि वह पूरी दुनिया में अपराध और आतंकवाद से लड़ाई के लिए सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मदद देती है।

संप्रेषण

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इसके कोड का संप्रेषण व्हाट्सऐप कॉल के द्वारा होता है।
- कोड उस समय भी फोन में प्रवेश कर जाता है जब कॉल का उत्तर भी नहीं दिया जाता है।

कौन निशाना था?

- रिपोर्टों के अनुसार, 100 से ऊपर कार्यकर्ता, वकील और पत्रकार इसके निशाने पर थे।
- इसमें कई भारतीय वकील और पत्रकार थे।

यह क्या करता है?

- यह लक्ष्य के संपर्क, कॉल और संदेशों को उसके नियंत्रक के पास भेज देता है।
- यह कैमरा अथवा माइक्रोफोन को चालू करके फोन को एक जासूसी उपकरण में बदल देता है।

संबंधित सूचना

सेरबेरस मालवेयर

- केंद्रीय जांच ब्यूरो ने हाल में सभी राज्यों, केंद्र शासित क्षेत्रों और केंद्रीय एजेंसियों को एक दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर खतरे पर सतर्क किया। यह एक बैंकिंग ट्रॉजन है जिसे सेरबेरस कहा जाता है। यह कोविड-19 महामारी से संबंधित अद्यतन का प्रयोग करता है।

अन्य प्रकार के कंप्यूटर मालवेयर

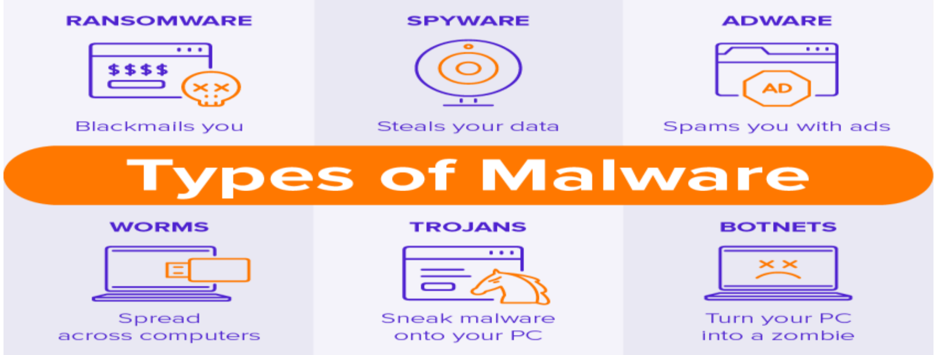

स्पाइवेयर

- स्पाइवेयर एक सॉफ्टवेयर है जो पर्सनल कंप्यूटर और अन्य उपकरणों पर किए गए कार्यों की निगरानी करता है।
- इसमें वेब ब्राउजिंग हिस्ट्री, ऐपों का प्रयोग, भेजे गए संदेश शामिल हो सकते हैं।
- स्पाइवेयर ट्रॉजन मालवेयर के अंतर्गत अथवा अन्य तरीकों से उपकरणों पर डाउनलोड किए जा सकते हैं।

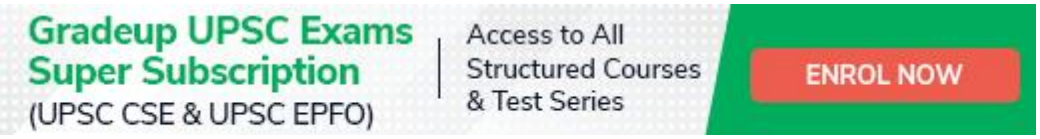

ट्रॉजन मालवेयर

- यह मालवेयर का सबसे सामान्य प्रकार है- ट्रॉजन हार्स- यह दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर का एक रूप है जो अक्सर अपने आप को सही उपकरण के रूप में छिपाता है जिसकी वजह से प्रयोगकर्ता इसे इन्स्टाल कर लेता है जिससे यह अपने दुर्भावनापूर्ण लक्ष्यों को हासिल कर सके।

रैंसमवेयर

- इसे अक्सर दुर्भावनापूर्ण अटैचमेंट अथवा फिसिंग ईमेल में लिंक के रूप में भेजा जाता है, रैंसमवेयर संक्रमित प्रणाली का कूटीकरण कर देता है, जिससे प्रयोगकर्ता उस समय तक बाहर हो जाता है जब तक वह एक रकम का भुगतान हीं कर देता है। यह भुगतान बिटक्वाइन अथवा क्रिप्टोकरेंसी में किया जाता है, जिससे कि डाटा वापस मिल जाए।

कंप्यूटर वॉर्म

- वॉर्म एक प्रकार के मालवेयर होता है प्रणाली से प्रणाली में फैलने के लिए डिजाइन किया जाता है जबकि उन प्रणालियों के प्रयोगकर्ता उसपर कार्रवाई नहीं करते हैं।
- वॉर्म अक्सर ऑपरेटिंग सिस्टम अथवा सॉफ्टवेयर में कमजोरियां का दोहन करते हैं। हालांकि ये अपने ईमेल अटैचमेंट के द्वारा भी वितरित करने में सक्षम होते हैं। यह उन मामलों में होता है जहां वॉर्म कांटेक्ट बुक अथवा एक संक्रमित मशीन में पहुँच हासिल कर लेता है।

बॉटनेट

- बॉटनेट - यह रोबोट नेटवर्क का संक्षिप्त रूप है- में साइबर अपराधी शामिल होते हैं जो बढ़ी संख्या में मशीनों के नेटवर्कों को खुफिया तरीके से हाइजैक करने के लिए मालवेयर का प्रयोग करते हैं, जो कुछ से लेकर लाखों उपकरण हो सकते हैं।
- यद्यपि यह अपने आप में मालवेयर नहीं है, इन नेटवर्कों का सामान्यतया निर्माण कमजोर उपकरणों को संक्रमित करके किया जाता है।

4. राजस्थान तीन बाघ रिज़र्वों को जोड़ने वाले गलियारे को विकसित करेगा

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

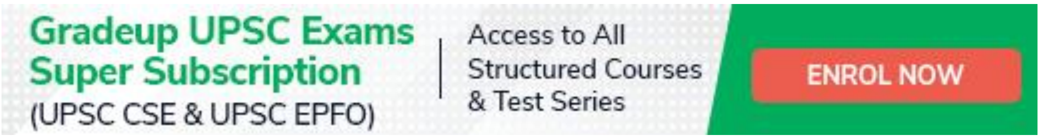

- राजस्थान सरकार ने हाल में तीन बाघ रिज़र्वों को जोड़ने वाले बाघ गलियारे को विकसित करने का प्रस्ताव रखा है। ये तीन जिलों सवाई माधोपुर, कोटा और बूंदी से होकर गुजरेगा।
- ये तीन बाघ रिज़र्व हैं- रणथम्भौर राष्ट्रीय पार्क, रामगढ़ विषधारी अभ्यारण्य और मुकुंद्रा पर्वतीय बाघ रिज़र्व।

गलियारे को विकसित करने के कारण

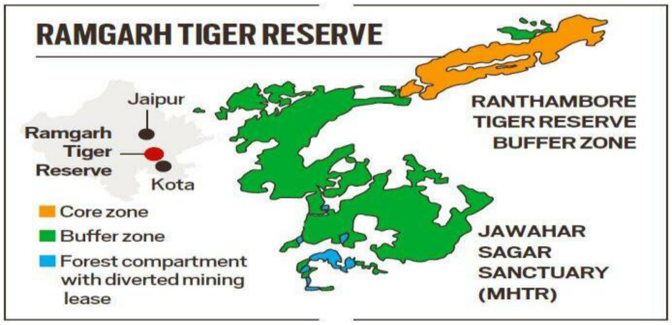

- रामगढ़ विषधारी बाघ अभ्यारण्य के लिए निर्धारित क्षेत्र में बाघ हमेशा रहते रहे हैं और आज भी, बाघ इस क्षेत्र में रणथम्भौर की दिशा से नियमित तौर पर गुजरते हैं।
- यह रणथम्भौर बाघ रिज़र्व के बफर क्षेत्र का बगल का हिस्सा है।
- बूंदी जिले में यह प्रस्तावित बाघ रिज़र्व सवाई माधोपुर जिले में रणथम्भौर बाघ रिज़र्व को कोटा जिले में मुकुंद्रा पर्वतीय बाघ रिज़र्व से जोड़ेगा।
- यह एक कार्यकारी गलियारा होगा जो बाघों की ज्यादा जनसंख्या के मुद्दे से निपटेगा जिसका वर्तमान में रणथम्भौर सामना कर रहा है।

रणथम्भौर राष्ट्रीय पार्क के बारे में जानकारी

- यह अरावली और विंध्य पहाड़ी श्रृंखलाओं के मिलन स्थल पर स्थित है।
- प्रारंभिक रूप से इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा 1955 में सवाई माधोपुर क्रीड़ा अभ्यारण्य के रूप में की गई थी।
- इसे 1973 में भारत में एक परियोजना बाघ रिज़र्व के रूप में घोषित किया गया।
- यह 1980 में हुआ कि रणथम्भौर एक राष्ट्रीय पार्क घोषित कर दिया गया, जबकि इससे लगे हुए वन को सवाई मानसिंह अभ्यारण्य एवं केलादेवी अभ्यारण्य नाम दिया गया।

मुकुंद्रा पर्वतीय बाघ रिज़र्व के बारे में जानकारी

- यह राजस्थान का तीसरा बाघ रिज़र्व है।
- यह चंबल नदी के पूर्वी किनारे पर स्थित है और उसकी सहायक नदियां इस क्षेत्र को छूती हैं।
- यह पार्क दो समानांतर पर्वतों के बीच में स्थित है अर्थात मुकुंद्रा और गगरोला।
- इसे 2004 में मुकुंद्रा पर्वतीय राष्ट्रीय पार्क घोषित किया गया।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

इसमें तीन वन्यजीवन अभ्यारण्य शामिल हैं जिनके नाम हैं

a. दर्राह वन्यजीवन अभ्यारण्य
b. चंबल वन्यजीवन अभ्यारण्य
c. जसवंत सागर वन्यजीवन अभ्यारण्य

सरिस्का बाघ रिज़र्व के बारे में जानकारी

- यह अरावली पहाड़ियों पर स्थित है जो 800 वर्ग किमी. क्षेत्रफल कवर करता है। यह घास के मैदानों, सूखे पर्णपाती वनों, सीधे पहाड़ों और पथरीले परिदृश्य में विभाजित है।
- इसे 1955 में अभ्यारण्य घोषित किया गया और 1979 में राष्ट्रीय पार्क का दर्जा हासिल हुआ।
- यहां पर कई मांसाहारी जानवर जैसे तेंदुए, जंगली कुत्ते, जंगली बिल्ली, लकड़बग्घे, सियार और बाघ मौजूद हैं।

संरक्षण प्रयास- राष्ट्रीय एवं वैश्विक

बाघों के लिए निगरानी प्रणाली- सघन संरक्षण और पारिस्थितिकीय दर्जा (M-STrIPES)

- इसकी शुरुआत राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा की गई है।
- यह वन रक्षकों के लिए गतिमान निगरानी प्रणाली है।

T X 2

- 2010 में पीटर्सबर्ग बाघ शिखर सम्मेलन के दौरान, 13 बाघ रेंज के देशों के नेताओं ने बाघ और कुछ करने और जंगलों में इसकी संख्या को दुगुना करने के प्रयास करने का संकल्प लिया था। इसे लोकप्रिय स्लोगन 'TX2' कहा गया।

वैश्विक बाघ पहल

- वैश्विक बाघ पहल (GTI) विश्व बैंक का कार्यक्रम है, यह अपनी उपस्थिति और आच्छादन क्षमता का प्रयोग करके, बाघ एजेंडा को मजबूत करने के लिए वैश्विक साझीदारों को साथ में लाया है।

परियोजना बाघ

- परियोजना बाघ एक चल रही पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय की केंद्र प्रायोजित योजना है जो नामांकित बाघ रिज़र्वों में बाघ संरक्षण के लिए बाघ राज्यों को केंद्रीय सहायता प्रदान करती है।
- इसे 1973 में शुरू किया गया था।

बाघ की जनगणना

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- भारत में जंगल में 2,967 बाघ हैं, जिनमें से आधे मध्य प्रदेश और कर्नाटक में है, यह 2018 के लिए नवीनतम अनुमान रिपोर्ट के अनुसार है।
- 2014 में अंतिम जनगणना के बाद से बाघों की जनसंख्या 33% बढ़ चुकी है जब इनकी कुल जनसंख्या 2,226 थी।

नोट:

- हाल में, रामगढ़ विषधारी वन्यजीवन अभ्यारण्य ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की सहमति हासिल कर ली जिससे यह राजस्थान का चौथा बाघ रिज़र्व बन जाएगा।

5. काला तेंदुआ

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में एक विरल गहरे रंग का तेंदुआ जिसे सामान्य तौर पर काला तेंदुआ कहा जाता है, महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में नवेगांव नागजिरा बाघ रिजर्व (NNTR) के नवेगांव प्रखंड में देखा गया।

काले तेंदुए के बारे में जानकारी

- इन्हें गहरे रंग का तेंदुआ अथवा काला पैंथर भी कहा जाता है।
- बिल्लियों जैसे तेंदुओं, जैगुआर और ओसलॉट्स के काले रंग वाले वैरिएंट को विशेषज्ञों द्वारा मेलेनिज़्म कहा जाता है।
- मेलेनिज़्म अथवा गहरा रंग एक अनुवांशिक स्थिति है जिससे जानवर ज्यादा मेलेनिन उत्पादित कर देता है, यह त्वचा अथवा फर में गहरे रंग का कण होता है।

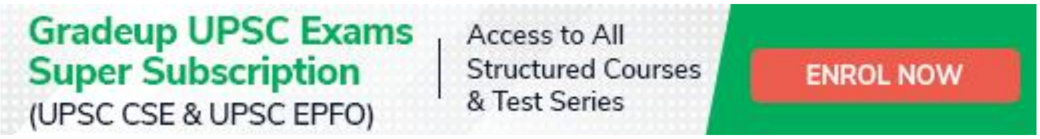

- काले कोट की रंगाई का कारण तेंदुओं में रिसेसिव एलीलेज़ (एक अनुवांशिक तत्व) और जैगुआर में वर्चस्व वाले एलीलेज़ होते हैं।

संरक्षण की स्थिति

- इसे संकटग्रस्त प्रजातियों की IUCN लाल सूची के अंतर्गत **कमजोर** के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- इसे **भारतीय वन्यजीवन (संरक्षण) कानून, 1972 के अनुसूची** 1 में संरक्षित किया गया है।

नवेगांव नागजिरा बाघ रिज़र्व के बारे में जानकारी

- यह महाराष्ट्र का पांच बाघ रिज़र्व है।
- यह महाराष्ट्र के गोंदिया और भंडारा जिलों में स्थित है।
- इसका मध्य भारत के प्रमुख बाघ रिज़र्वों के साथ जुड़ाव है जिसमें मध्य प्रदेश में कान्हा और पेंच बाघ रिज़र्व और महाराष्ट्र में तडोबा-अंधेरी बाघ रिज़र्व और छत्तीसगढ़ में इंद्रावती बाघ रिज़र्व शामिल हैं।

महाराष्ट्र में अन्य संरक्षित क्षेत्र:

- ग्रेट भारतीय बस्टर्ड अभ्यारण्य
- करनाला पक्षी अभ्यारण्य
- संजय गांधी राष्ट्रीय पार्क
- साह्याद्री बाघ रिज़र्व
- मेलघाट बाघ रिज़र्व

6. बहुपक्षीय स्वास्थ्य रणनीति के साथ चीन मलेरिया मुक्त हुआ

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने हाल में चीन को मलेरिया मुक्त घोषित कर दिया। इसके लिए इसने सात दशक लंबे समय तक बहुपक्षीय स्वास्थ्य रणनीति को अपनाया जिसकी वजह से लगातार चौथे वर्ष स्वदेशी मामलों का पूरी तरह से उन्मूलन हो गया।

खबरों में और भी है

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

deup

- चीन पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में पहला देश है जिसे 30 वर्ष से अधिक समय में मलेरिया मुक्त घोषित किया गया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 1981 में, सिंगापुर ने 1982 में और ब्रुनेई ने 1987 में यह दर्जा हासिल किया था।

चीन द्वारा उठाए गए कदम

- यह प्रयास 1950 के दशक के दौरान शुरू हुए। यह वह समय था जबकि पूरे वर्ष चीन में लाखों मामले सामने आते थे। इसके बाद इसने बहुपक्षीय दृष्टिकोण को अपनाते हुए मलेरिया निवारक औषधियां देना शुरू किया, साथ ही मच्छर प्रजनन वाली जगहों को लक्ष्य बनाना शुरू किया और कीटनाशक स्प्रे का प्रयोग आरंभ किया।

532 परियोजना

- इसकी शुरुआत 1967 में की गई जिसमें 1970 के दशक में आर्टेमिसिनिन की खोज के लिए 60 संस्थानों से 500 वैज्ञानिक शामिल हुए, जो **संयोजन आधारित उपचारों आर्टेमिसिनिन का केंद्रीय यौगिक है। यह वर्तमान में उपलब्ध सबसे ज्यादा प्रभावी मलेरिया निवारक औषधि है।**

'1-3-7 रणनीति'

- इसके द्वारा चीन की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ने मुफ्त में मलेरिया के निदान और उपचार के लिए कार्य आरंभ किया जिससे मामलों को शून्य पर लाया जा सके। साथ ही "1-3-7 रणनीति" से आशय मलेरिया निदान की रिपोर्ट करने के लिए एक दिन की समयसीमा से है, जिसमें मामले की पुष्टि की जाती है और तीसरे दिन तक प्रसार का निर्धारण किया जाता है। साथ ही इसमें वे उपाय भी शामिल है जो सातवें दिन तक प्रसार को रोकते हैं, साथ उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में सतत निगरानी भी इसमें शामिल है।

संबंधित सूचना

- हाल में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 25 देशों की पहचान की है, जिसमें तीन अफ्रीका के देश शामिल हैं, जिनके **'E-2025 पहल'** के अंतर्गत 2025 तक मलेरिया उन्मूलन की संभावना है। यह कार्य विश्व मलेरिया दिवस 2021 के पूर्व किया गया।

E-2025 पहल के बारे में जानकारी

- इसे 2017 में WHO द्वारा शुरू किया गया था जिसका लक्ष्य 2020 तक मलेरिया के स्वदेशी मामलों को शून्य तक करने के लिए देशों के समूह को समर्थन देना था।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

deup

- पांच क्षेत्रों में फैले कुछ 21 देशों की पहचान मलेरिया उन्मूलन करने के मील के पत्थर तक पहुँचने के लिए की गई है।
- 21 में से 8 देशों ने अप्रैल 2021 तक मलेरिया के मामलों को शून्य रिपोर्ट किया है।
- इन देशों में शामिल हैं- अल्जीरिया, बेलिज़, कैबो वर्डे, चीन, अल सल्वाडोर, ईरान, मलेशिया और पैराग्वे।
- फरवरी 2021 में, अल सल्वाडोर पहला मध्य अमेरिकी देश बन गया जिसने मलेरिया मुक्त के रूप में वर्गीकृत होने का मील का पत्थर हासिल कर लिया।
- **यहां मामलों की संख्या 1990 के 9,000 से घटकर 2010 में 30 से भी कम हो गई।**
- रिपोर्ट '**जीरोइंग इन ऑन मलेरिया एलीमिनेशन' ने WHO के E-2020 पहल के द्वारा की गई प्रगति का खुलासा किया है।**
- E-2025 देश WHO और उसके साझीदारों से तकनीकी और जमीनी समर्थन प्राप्त करेंगे।
- इसके बदले में, उनके अपने वार्षिक उन्मूलन कार्यक्रम के लेखा परीक्षण करवाने की संभावना है। साथ ही वे उन्मूलन मंचों में भी भाग लेंगे, निगरानी आकलनों का आयोजन करेंगे, और नियमित तौर पर मलेरिया के डाटा को साझा करेंगे।

चार मानदंडों पर आधारित नए देशों का चुनाव किया गया:

a. सरकार द्वारा समर्थित उन्मूलन योजना की स्थापना करना;
b. हाल के वर्षों में मलेरिया मामलों में कमी की सीमा को हासिल करना;
c. मलेरिया निगरानी की क्षमता होनी चाहिए और मलेरिया उन्मूलन के लिए जिम्मेदार एक नामांकित सरकारी एजेंसी का होना जरूरी है;
d. और इसे WHO मलेरिया उन्मूलन देखरेख समिति द्वारा चुना जाना चाहिए।

भारत सरकार द्वारा की गई पहलें

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन ढांचा (NFME) 2016-2030

- यह 2030 तक रोग के उन्मूलन के लिए भारत की रणनीति को रेखांकित करता है।
- राष्ट्रीय ढांचे का उद्देश्य है:
    - 2022 तक सभी निचले (श्रेणी 1) और मध्यम (श्रेणी 2) व स्थानिक राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों (26) में मलेरिया का उन्मूलन;
    - 2024 तक सभी राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों में प्रति 1000 जनसंख्या पर मलेरिया के मामले को 1 तक लाना और 31 राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों में मलेरिया का उन्मूलन करना;
    - 2027 तक सभी राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों में मलेरिया के स्वदेशी संप्रेषण को बाधित करना;

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

deup

- उन क्षेत्रों में स्थानीय संप्रेषण की पुनर्स्थापना को रोकना जहां इसका उन्मूलन हो चुका हो और 2030 तक देश के लिए मलेरिया मुक्त दर्जा बनाए रखना।

मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन-भारत (MERA-भारत)

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) ने हाल में **मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन-भारत (MERA- भारत)** का गठन किया है जो मलेरिया नियंत्रण पर कार्य कर रहे साझीदारों का एक संगठन है।

मलेरिया मुक्त अभियान

- छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में मलेरिया मुक्त अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया गया जहां मलेरिया के लिए 3.78 मिलियन लोगों की जांच की गई।

7. गेहूँ की भलिया किस्म

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- कृषि, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस)

खबरों में क्यों है?

- हाल में गुजरात से गेहूँ की भलिया किस्म की पहली खेप केन्या और श्रीलंका भेजी गई।

भलिया गेहूँ के बारे में जानकारी

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- यह गेहूँ की भौगोलिक संकेतक (GI) प्रमाणीकृत किस्म है।
- इसने 2011 में भौगोलिक संकेतक दर्जा हासिल किया था।
- इसे मुख्य रूप से गुजरात के भेल क्षेत्र में उगाया जाता है जिसमें अहमदाबाद, आनंद, खेड़ा, भावनगर, सुरेंद्रनगर और भरूच जिले शामिल हैं।

अनूठी विशेषताएं

- इसमें प्रोटीन की मात्रा ज्यादा है और इसका स्वाद मीठा है।
- इसकी अनूठी विशेषता यह है कि यह बिना सिंचाई के वर्षा वाली स्थितियों में उगाई जाती है और गुजरात की कृषीय भूमि के दो लाख हेक्टेयर में इसकी खेती होती है।

8. मत्स्य सेतु

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- PIB)

खबरों में क्यों है?

- हाल में, मत्स्यन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने एक **ऐप** शुरू किया है जिसका **नाम 'मत्स्य सेतु'** है।

मत्स्य सेतु के बारे में जानकारी

- यह ऑनलाइन पाठ्यक्रम मोबाइल ऐप है जिसे ICAR- केंद्रीय ताजाजल जलकृषि संस्थान (ICAR-CIFA), भुवनेश्वर द्वारा विकसित किया गया है। इसे राष्ट्रीय मत्स्यन विकास बोर्ड (NFDB), हैदराबाद का वित्तीयन समर्थन हासिल है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription
(UPSC CSE & UPSC EPFO)
Access to All Structured Courses & Test Series
ENROL NOW

- इसका लक्ष्य देश के जल कृषि किसानों को नवीनतम ताजाजल जलकृषि तकनीकों को सीखाना है।
- इसमें प्रजातिवार/ विषयवार स्व-शिक्षण ऑनलाइन मॉड्यूल हैं, जहां जाने-माने जलकृषि विशेषज्ञ व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण मछलियों के प्रजनन, बीज उत्पादन और वृद्धि के बारे में मूलभूत संकल्पनाओं और व्यवहारिक प्रदर्शनों की व्याख्या करेंगे।